SARDAR PATEL UNIVERSITY

U.G.C Course in Arts choice based credit system

Subject: HINDI LETURER

Third year B.A. course

SEMESTER -VI Core Paper

SEMESTER –VI Core Paper -31 UAO6CHIN31

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग -२

[1] 'भ्रमरगीत सार': संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल

प्रकाशन : कृष्णदास पोडवाल एण्ड कंपनी बनारस

[2] 'रीतिकाव्य संग्रह' बिहारी के दोहे, संपादक: विजयपाल सिंह

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER –VI Core Paper -32 UAO6CHIN32

हिन्दी नाटक एवं एकांकी भाग -2

[1] 'आधे-अधूरे - संपादक: मोहन राकेश

[2] 'पाँच अभिनव एकांकी' संपादक: रवीन्द्र कालिया

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEMESTER –VI Core Paper -33 UAO6CHIN33

भारतीय लोक साहित्य भाग -2

SEMESTER –VI Core Paper -34 UAO6CHIN34

हिन्दी व्याकरण

SEMESTER –VI Core Paper -35 UAO6CHIN35

पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत और वाद

SEMESTER –VI Core Paper - 36 UAO6CHIN36

प्रयोजकमूलक हिन्दी

SEMESTER –VI SKILL ENHCHMENT Paper -22 UAO6SHIN21

रचनात्मक लेखन भाग-२ व्यावहारिक पक्ष

SEMESTER –VI Core Paper -31 UAO6CHLT31

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग - २

[1] 'भ्रमरगीत सार': संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल

प्रकाशन : कृष्णदास पोडवाल एण्ड कंपनी बनारस

[2] 'रीतिकाव्य संग्रह' बिहारी के दोहे, संपादक: विजयपाल सिंह

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

यूनिट :£

सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

भ्रमरगीत सार का काव्य सौंदर्य

भ्रमरगीत सार का कथानक

यूनिट :२

भ्रमरगीत सार में गोपियों के विरह की मार्मिकता

भ्रमरगीत सार एक उपालंभ काव्य

भ्रमरगीत सार में ज्ञान पर प्रेम की विजय

संदर्भ

यूनिट :३

बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान

बिहारी का श्रृंगारवर्णन

यूनिट :४

बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ

बिहारी की जीवन दर्शन

रीतिकालीन कवियों में बिहारी का स्थान

संदर्भ

संदर्भ ग्रंथ :

मध्यकालीन काव्य-कुमार एवं श्रीवास्तव

मध्यकालीन काव्य - डॉ.दिलीप मेहरा

मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचारपक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन - डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल

भ्रमरगीत का काव्यसौंदर्य - सत्येन्द्र परीक

रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - डॉ. बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य का इतिहास - आ.रामचंद्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

सूरदास - आ. रामचंद्र शुक्ल

संक्षिप्त बिहारी - डॉ. नगेन्द्र

SEMESTER –VI Core Paper -32 UAO6CHLT32

हिन्दी नाटक एवं एकांकी भाग -2

[1] 'आधे-अधूरे' लेखक : डॉ. मोहन राकेश

[2] पाँच अभिनव एकांकी' संपादक : रवीन्द्र कालिया, लोकभारती प्रकाशन

यूनिट :१

डॉ. मोहन राकेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व|

'आधे-अधूरे' नाटक का कथानक

'आधे-अधूरे' नाटक के प्रमुख और गौण चरित्र

यूनिट :२

नाटक के तत्व और 'आधे-अधूरे'

'आधे-अधूरे' नाटक की समस्याएँ

'आधे-अधूरे' नाटक का व्यंग्य

यूनिट :३

पठित एकांकीकारों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

एकांकीकला के तत्व

जोंक : उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

यहाँ रोना मना है : ममता कालिया

अंडे के छिलके : मोहन राकेश

संदर्भ

यूनिट :४

एकांकी का उद्भव और विकास

तौलिये : उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

मीना कहाँ है : विष्णु प्रभाकर

रीढ़ की हड्डी : जगदीश चंद्र माथुर

संदर्भ

संदर्भ ग्रंथ :

आधुनिक हिन्दी नाटक - डॉ.बच्चन सिंह

समकालीन नाटक और रंगमंच - डॉ. सनतकुमार व्यास

हिन्दी नाटक उद्भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा

एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेन्द्र

SEMESTER –VI Core Paper -33 UAO6CHLT33

भारतीय लोक साहित्य भाग -2

यूनिट :१

लोकवार्ता : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप, उत्पत्ति

भरथरी, ढोलामारू, गोपीचंद

यूनिट :२

लोककथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप

व्रतकथा, परिकथा, नागकथा,

लोक अन्धविश्वास एवं रूढियाँ

यूनिट :३

लोकभाषा : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप

मुहावरे, लोकक्तियाँ, पहेलियाँ

यूनिट :४

लोकगाथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप, प्रकार

संदर्भ ग्रंथ :

प्रेम कथात्मक, वीर कथात्मक, रोमांच कथात्मक, परंपरा कथात्मक

लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

लोक साहित्य और संस्कृति - दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भारत में लोक साहित्य - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद

लोक साहित्य - द्रिजराम यादव

लोक साहित्य : डॉ. इन्दु यादव, साहित्य रत्नालय, गिलिश बाजार, कानपुर

आधुनिक हिन्दी नाटकों में लोकनाट्यों का प्रभाव, डॉ. नीना शर्मा, प्रिज्म बुक्स, जयपुर

लोकनाट्य परम्परा और प्रवृतियाँ, डॉ.महेन्द्र भानावत, बाफना प्रकाशन, जयपुर

SEMESTER –VI Core Paper -34 UAO6CHLT34

हिन्दी व्याकरण

यूनिट :१

संज्ञा की परिभाषा उसके भेद

सर्वनाम की परिभाषा उसके भेद

विशेषण की परिभाषा उसके भेद

यूनिट :२

अव्यय की परिभाषा उसके भेद

कारक की परिभाषा उसके भेद

वाच्य की परिभाषा उसके भेद

यूनिट :३

हिन्दी वर्णों का वर्गीकरण

वचन, लिंग

समस

यूनिट :४

विभक्ति

कृदंत

उपसर्ग

प्रत्यय

संदर्भ ग्रंथ :

हिन्दी व्याकरण - पंडित कामताप्रसाद गुरू

हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद

अभिनव हिन्दी व्याकरण - डॉ. ना. नागप्पा

हिन्दी रूप रचना - सं. आ. जयेन्द्र त्रिवेदी

SEMESTER –VI Core Paper -35 UAO6CHLT35

पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद

यूनिट :१

पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास

प्राचीन काल, मध्यकाल, आधुनिक काल

प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत

अरस्तु का विरेचन सिद्धांत

अरस्तु का त्रासदी सिद्धांत

त्रासदी ,कामदी

यूनिट :२

इलियट का परंपरा संबंधित सिद्धांत

निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

वडर्स वर्थ : काव्य की अवधारणा

यूनिट :३

लोजईंस : उदात्त का सिद्धांत

कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत

रिचड्स का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद

यूनिट :४

आभिजात्यवाद

स्च्छंदतावाद

यथार्थवाद, आदर्शवाद

बिम्ब प्रतीक मिथक

काव्य में सत्यं, शिवम, सुंदरम

संदर्भ ग्रंथ :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ.शांतिस्वरूप गुप्त

पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद - सं. डॉ. नगेन्द्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास, सिद्धांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास - डॉ. तारकनाथ बाली

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ.तुलसीभाई पटेल

मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - डॉ. शिवकुमार मिश्र

SEMESTER –VI Core Paper - 36 UAO6CHLT36

प्रयोजनमूलक हिन्दी

यूनिट :१

प्रयोजनमूलक हिन्दी स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र

राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति और गति

यूनिट :२

संक्षेपण, प्रारूपण, टिप्पण

यूनिट :३

पत्राचार - कार्यालयीपत्र, व्यावहारिकपत्र, व्यावसायिकपत्र

यूनिट :४

अनुवाद : स्वरूप एवं प्रक्रिया

अनुवाद के प्रकार - कार्यालयी अनुवाद, वैज्ञानिक अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, वाणिज्य अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :

प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे

प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे

प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिदृश्य डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल

प्रयोजनमूलक हिन्दी - बलजिंदर रंधवा, कैशल पाण्डेय

प्रयोजनमूलक हिन्दी व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. नाथूराम देसाई

व्यावहारिक हिन्दी - डॉ. माखनलाल शर्मा

प्रशासनिक हिन्दी - पुष्पाकुमारी व्यावसायिक हिन्दी - डॉ. पुष्कर सिंह

SEMESTER –VI SKILL ENHCHMENT Paper -22 UAO6DHIN21

रचनात्मक लेखन भाग-२ व्यावहारिक पक्ष

यूनिट :१

कविता की रचना प्रक्रिया

सरोजस्मृति (निराला)

मोचीराम (मुक्तिबोध)

कविता का आरंभ

कविता का अंत

कविता की प्रासंगिकता

यूनिट :२

कहानी की रचना प्रक्रिया

कफन (प्रेमचंद)

यही सच है (मन्नू भंडारी)

कहानी का आरंभ

कहानी का अंत

कहानी की प्रासंगिकता

यूनिट :३

नाटक की रचना प्रक्रिया

अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिशचंद्र)

नाटक का आरंभ

नाटक का अंत

नाटक का उदेश्य

नाटक का योग्यता

नाटक का आरंभ

यूनिट :४

उपन्यास की रचना प्रक्रिया

त्यागपत्र (जैनेद्रकुमार)

उपन्यास का आरंभ

उपन्यास का अंत

उपन्यास का उदेश्य

शीर्षक की योग्यता

संदर्भ ग्रंथ :

हिन्दी साहित्य में युगीनबोध, सं. डॉ. शैलजा भारद्वाज, विद्या प्रकाशन

साहित्य और समाज, प्रा. रतनसिंह एम. चौहान, स्मृति प्रकाशन

नये साहित्य का सौंदर्य शास्त्र, ले. गजानन माधव मुक्तिबोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली